पैंगोलिन

सरोत: डाउन टू अरथ

नाइजीरियाई अधिकारियों ने लगभग 2.18 टन पैंगोलिन स्केल (1,100 पैंगोलिन की जान के बराबर चमड़े) **जब्त किये,** जो पैंगोलिन की तस्करी से निपटने के लिये चल रहे प्रयासों में एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है।

- पैंगोलिन सबसे अधिक तस्करी किये जाने वाला **स्तनधारी जीव** हैं, **एशिया और अफ्रीका में इनके मांस और शल्कों** की बहुत अधिक मांग है, मुख्य रूप से गठिया, अर्थराइटिस और त्वचा संबंधी रोगों के उपचार के लिये पारंपरिक चिकित्सा में इनका उपयोग किया जाता है।
- **पैंगोलिन प्रजातियाँ:** पैंगोलिन की आठ प्रजातियाँ हैं, जो दो महाद्वीपों में पाई जाती हैं:
  - **अफ्रीका: ब्लैक-बेल्ड पैंगोलिन, व्हाइट-बेल्ड पैंगोलिन, जाइंट ग्राउंड पैंगोलिन और टेम्मिक्स ग्राउंड पैंगोलिन।**
  - **एशिया: भारतीय पैंगोलिन *(□□□□□ □□□□□□□□□□□□□)*, चीनी पैंगोलिन *(□□□□□ □□□□□□□□□□□□)*, फिलीपीन पैंगोलिन □□ सुंडा पैंगोलिन।**
- **विशेषताएँ:** पैंगोलिन **एकांतप्रिय, रात्रिचर प्राणी** है जिसके शरीर पर शल्कों का एक विशिष्ट कवच होता है। इन्हें **स्केली एंटीइटर्स के** नाम से भी जाना जाता है, ये मुख्य रूप से चींटियों और दीमकों का सेवन करते हैं।
- **संरक्षण स्थिति: इन प्रजातियों की संरक्षण स्थिति संवेदनशील से लेकर गंभीर रूप से संकटग्रस्त तक है।**
- **वन्यजीवों एवं वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (Convention on International Trade in Endangered Species- CITES)** के के तहत पैंगोलिन के व्यापार पर प्रतिबंध है तथा उन्हें **IUCN रेड लिस्ट के परिशिष्ट I में सूचीबद्ध किया गया हैं।**
- भारत में **भारतीय और चीनी** दोनों पैंगोलिन **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972** की अनुसूची 1 के तहत संरक्षित हैं, जो इसके **शिकार, व्यापार या किसी अन्य प्रकार के उपयोग पर प्रतिबंध लगाता है।**

//

और पढ़ें: पैंगोलिन